आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 19.01.2025 समय : 1905

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा–दूरदर्शी वैज्ञानिकों से भविष्य की चुनौतियों का समाधान मिलने से भारत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में नए मानक स्थापित कर रहा है।
- उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले के संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समता–समरसता का एक असाधारण संगम है।
- क्यारी की ओर से निकोबार के तपोइ–मिंग गांव में "कृषि आय सृजन गतिविधियों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया।
- आंध्र प्रदेश के पेद्दापुरम, में सत्रह से इक्कीस जनवरी तक तेरहवीं राष्ट्रीय स्कूल शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत प्रखर वैज्ञानिकों और नवोन्मेषी वैज्ञानिकों की बदौलत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित कर रहा है, जिससे भावी चुनौतियों के समाधान उपलब्ध होंगे। आज आकाशवाणी से मन की बात कार्यक्रम की एक सौ अट्ठारहवीं कड़ी में उन्होंने अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश की हाल की उपलब्धियों की सराहना की। श्री मोदी ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में कार्यरत बैंगलुरू के स्टार्ट–अप पिक्सल की प्रशंसा की।

प्रधानमंत्री ने अंतरिक्ष में उपग्रहों की डॉकिंग में मिली सफलता के संबंध में कहा कि यह तकनीक अंतरिक्ष केंद्रों को सामग्री की आपूर्ति और अंतरिक्ष में यात्रियों को भेजने के लिए महत्वपूर्ण है।

<><><><><><><>

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे कुंभ मेले के संबंध में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह समता–समरसता का एक असाधारण संगम है। कुंभ का ये उत्सव विविधता में एकता का उत्सव मनाता है। संगम की रेती पर न सिर्फ भारत के, बल्कि पूरे विश्व के लोग, जुटते हैं। हज़ारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव नहीं है। सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं, तभी तो 'कुंभ' एकता का महाकुंभ कहलाता है।

<><><><><><><><>

प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के योगदान को याद करते हुए कहा कि तेईस जनवरी यानी उनकी जन्म–जयंती को अब हम 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाते हैं। सुभाष चन्द्र बोस की छवि पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह एक विजिनरी, साहसी और कुशल प्रशासक थे।

<><><><><><><><>

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि विज्ञान केन्द्र, क्यारी की ओर से निकोबार के तपोइ–मिंग गांव में "कृषि आय सृजन गतिविधियों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाना" विषय पर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। सत्र का उद्घाटन निकोबार ज़िले के उपायुक्त अमित काले मारुतिराव ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, प्रगतिशील किसानों और स्थानीय समुदाय के नेताओं ने भाग लिया। मुख्य अतिथि काले अमित मारुतिराव ने अपने संबोधन में निकोबार ज़िले के सामाजिक–आर्थिक विकास में स्वयं सहायता समूहों की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उपायुक्त ने क्षेत्र के कृषि संसाधनों में अप्रयुक्त क्षमता को पहचानते हुए, "निकोशी" ब्रांड नाम के तहत वर्जिन नारियल तेल की ब्रांडिंग और उत्पादन को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में बढ़ाने के अपने दृष्टिकोण को साझा किया। प्रशिक्षण में कृषि से उत्पन्न विभिन्न आय–सृजनकारी गतिविधियों पर केंद्रित कई सत्र शामिल हैं, जिसमें नारियल के मूल्य संवर्धन और निकोबार क्षेत्र में इसकी क्षमता पर विशेष जोर दिया गया है।

<><><><><><><><>

आंध्र प्रदेश के पेद्दापुरम, में सत्रह से इक्कीस जनवरी तक तेरहवीं राष्ट्रीय स्कूल शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप में देश भर के करीब बारह सौ युवा शतरंज खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए अंडर–सेवन, नाइन, इलैवन, थाटीन, फिफटीन और सैवनटीन जैसी बारह श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इतिहास में पहली बार अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्कूल शतरंज चैंपियनशिप की सभी बारह श्रेणियों में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। द्वीप समूह के विभिन्न स्कूलों से इक्कतीस युवा शतरंज खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह के स्कूलों की उल्लेखनीय भागीदारी शतरंज समुदाय के लिए एक गर्व का क्षण है, जो द्वीप की उभरती शतरंज प्रतिभा और क्षमता को उजागर करता है।

<><><><><><><><>

श्री विजयपुरम में केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान और जय शंकर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के बीच "द्वीप पत्ती विभाजक" तकनीक के लिए सत्रह जनवरी को प्रौद्योगिकी लाइसेंस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह नारियल के पत्तों से तिलियों को हटाने के लिए एक कुशल, श्रम–बचत वाला, हाथ से पकड़ा जाने वाला उपकरण है। एक व्यक्ति इस उपकरण के माध्यम से पांच सौ तिलियों को प्रति घंटे अलग कर सकता है, जबकि पारंपरिक विधि के माध्यम से तीन सौ अस्सी तिलियों को प्रति घंटे अलग किया जा सकता है। यह एक पेटेंट तकनीक है, जिसकी आने वाले समय में कृषि बाजार का हिस्सा बनने की अच्छी संभावना है।

<><><><><><><>

श्री विजयपुरम में विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के छठवें दिन, एन सी सी कैडेटों ने प्रमुख नौसेना प्रतिष्ठानों का दौरा किया, उनके साथ नौसेना इकाई के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कमांडर रेयाज फारूक शामिल थे। दौरे के दौरान कैडेटों को नेवी फ्लोटिंग डॉक और मार्कोस बेस ले जाया गया। इस अनुभव ने कैडेटों को सशस्त्र बलों में करियर तलाशने के लिए प्रेरित किया और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उनकी प्रशंसा को मजबूत किया।

<><><><><><><>

पर्यावरण और वन विभाग के सहयोग से लॉ–कॉलेज, श्री विजयपुरम में 'आर्द्रभूमि बचाओ अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विश्व आर्द्रभूमि दिवस के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया, जिसे हर साल दो फरवरी को विश्व स्तर पर मनाया जाता है। कार्यक्रम में छात्रों और कर्मचारियों को दो समूहों में विभाजित किया गया। एक समूह ने स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर पर्चे बांटे गए और लोगों को अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूक किया गया। दूसरे समूह ने ग्राम पंचायत के अधिकारियों और स्वयंसेवकों के सहयोग से सिप्पीघाट क्षेत्र में कचरा संग्रह अभियान चलाया। इस अभियान में अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

<><><><><><><>